



संख्या—cm-106
20/02/2025

मुख्यमंत्री ने नालंदा जिले में चल रही विकासात्मक योजनाओं की समीक्षात्मक बैठक की

- समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री ने की कई महत्वपूर्ण घोषणायें

पटना, 20 फरवरी 2025 :- मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने आज प्रगति यात्रा के क्रम में नालंदा जिले में चल रही विकासात्मक योजनाओं के संबंध में शहीद हरदेव भवन, बिहारशरीफ में समीक्षात्मक बैठक की।

समीक्षात्मक बैठक में नालंदा जिले के जिलाधिकारी श्री शशांक शुभंकर ने नालंदा जिले के विकास कार्यों का प्रस्तुतीकरण के माध्यम से विस्तृत जानकारी दी। जिलाधिकारी ने बिहार स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना, मुख्यमंत्री निश्चय स्वयं सहायता भत्ता योजना, कुशल युवा कार्यक्रम, हर घर नल का जल एवं उनका अनुरक्षण, हर घर तक पक्की गली-नाली, मुख्यमंत्री ग्रामीण सोलर स्ट्रीट लाइट योजना, हर खेत तक सिंचाई का पानी, कृषि फीडर का निर्माण, मुख्यमंत्री कृषि विद्युत कनेक्शन योजना, मुख्यमंत्री उद्यमी योजना, उच्चतर शिक्षा हेतु महिलाओं को प्रोत्साहन, स्वास्थ्य उपकेंद्र में टेलीमेडिसिन के माध्यम से चिकित्सा परामर्श, पशु चिकित्सा सेवाओं की डोर स्टेप डिलीवरी एवं पंचायत सरकार भवन के निर्माण की अद्यतन स्थिति के संबंध में मुख्यमंत्री को विस्तृत जानकारी दी। इसके अलावा हर पंचायत में 10+2 विद्यालय, ग्राम पंचायत/नगर पंचायत में खेल-कूद को बढ़ावा देने हेतु स्पोर्ट्स क्लब का गठन, प्रत्येक पंचायत में खेल का मैदान, मुख्यमंत्री ग्राम संपर्क योजना (अवशेष), मुख्यमंत्री ग्रामीण सेतु योजना, शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में स्वयं सहायता समूहों का गठन, राजस्व प्रशासन में पारदर्शिता, दाखिल खारिज/परिमार्जन/परिमार्जन प्लस एवं जल-जीवन-हरियाली के तहत जीर्णोद्धार कराए गए सार्वजनिक कुओं, पोखर तथा तालाबों की अद्यतन स्थिति के संबंध में जिलाधिकारी ने मुख्यमंत्री को विस्तृत जानकारी दी। समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री के समक्ष जनप्रतिनिधियों ने अपने-अपने क्षेत्र की समस्याएं भी रखीं।

समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि मैं आप सभी का इस बैठक में अभिनंदन एवं स्वागत करता हूँ। नालंदा जिले के जिलाधिकारी श्री शशांक शुभंकर ने नालंदा जिले में चल रहे विकासात्मक कार्यों की जानकारी दी है, मैं उन्हें धन्यवाद देता हूँ। यहां उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने भी अपनी-अपनी बातें रखी हैं। आज हमने कई जगहों पर जाकर विकास कार्यों को देखा है। हम अधिकारियों से कहेंगे कि यहां जो भी जरूरतें हैं, उसे ध्यान में रखते हुए आगे की कार्रवाई सुनिश्चित करें। प्रगति यात्रा के दौरान जिन जिलों का दौरा किया गया है और इस दौरान जो घोषणाएं की गई हैं उन सबको मंत्रिपरिषद् के द्वारा स्वीकृति दी गई है और जो घोषणाएं की जा रही हैं, उन सबको भी मंत्रिपरिषद् द्वारा स्वीकृति प्रदान की जाएगी। हमारा उद्देश्य है कि हर प्रकार से बिहार की तरक्की हो। वर्ष 2005 के बाद हमलोगों ने बिहार में विकास के जो काम किये हैं, उसे याद रखियेगा। हम प्रारंभ से ही पूरे बिहार का दौरा समय-समय पर करते रहे हैं। प्रगति यात्रा का कार्यक्रम जब बनाया गया तो अधिकारियों ने सभी जिलों की समस्याओं के बारे में जानकारी दी और हमने उस पर काम करने के लिए कहा, उन सब चीजों पर काम किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 24 नवंबर, 2005 से हमलोगों ने बिहार के विकास के लिए काम करना शुरू किया, तब से निरंतर हमलोग बिहार को आगे बढ़ाने में लगे हैं। हमें श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी ने ही बिहार का मुख्यमंत्री बनाया। वर्ष 2005 से पहले बिहार की क्या स्थिति थी, आप सभी इससे अवगत हैं। शाम के बाद लोग अपने घरों से बाहर निकलने से डरते थे। हिन्दू-मुस्लिम के बीच प्रायः झगड़े होते थे, जिसे हमने खत्म किया। अस्पतालों में इलाज का इंतजाम नहीं था, सड़कें जर्जर थीं। शिक्षा की हालत ठीक नहीं थी। सड़कों का काफी अभाव था। अस्पतालों में मरीजों को दवा नहीं मिलती थी। जब बिहार के लोगों ने हमलोगों को काम करने का मौका दिया, तब से बिहार की स्थिति बदली है। हर क्षेत्र में विकास के काम किए जा रहे हैं। बिहार में अब डर और भय का माहौल खत्म हो गया है। शांति एवं भाईचारा का वातावरण कायम है। बिहार में पहले बिजली की स्थिति काफी दयनीय थी। ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली न के बराबर रहती थी। वर्ष 2006 से हमलोगों ने कब्रिस्तानों की घेराबंदी का काम शुरू कराया। अब तक 8 हजार से अधिक कब्रिस्तानों की घेराबंदी करा दी गई है, 1273 और कब्रिस्तानों को चिह्नित किया गया है, जिसमें से 746 कब्रिस्तानों की घेराबंदी करा दी गई है और शेष बचे कब्रिस्तानों की घेराबंदी कराई जा रही है। हमलोगों ने देखा कि मंदिरों से मूर्ति चोरी की घटनाएं हो रही हैं, इसे देखते हुए 60 वर्ष से पुराने मंदिरों की चहारदीवारी के निर्माण का निर्णय लिया ताकि मंदिरों में चोरी की घटनाएं न हों। हमलोगों ने कोई काम नहीं छोड़ा है। केंद्र सरकार से भी काफी सहयोग मिल रहा है। केंद्र सरकार के सहयोग से भी कई विकास कार्य किए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2006 से सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों के लिए पोशाक योजना की शुरुआत की गई। वर्ष 2009 से लड़कियों के लिए साइकिल योजना शुरू की गई थी लेकिन जब लड़कों ने मांग शुरू की तो वर्ष 2010 से उनके लिए भी साइकिल योजना शुरू की गई। पहले काफी कम संख्या में लड़कियां पढ़ने जाती थीं। लड़कियों को जब साइकिल दी गई तो वे समय पर स्कूल जाने लगीं और साथ ही शाम में अपने माता-पिता को भी बाजार ले जाती हैं, यह दृश्य देखकर काफी अच्छा लगता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पूरे बिहार में विकास का काम हमलोग करा रहे हैं। बिहार का कोई भी इलाका विकास से अछूता नहीं है। हमलोगों ने शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, पुल-पुलिया के निर्माण का काम बड़े पैमाने पर कराया है, जिसके कारण बिहार के किसी भी कोने से पहले 6 घंटे में लोग पटना पहुंचते थे, अब उसे घटाकर 5 घंटे किया गया है। इसके लिए हर प्रकार से काम किया जा रहा है। बिहार में बड़े पैमाने पर नियोजित शिक्षकों की बहाली की गई है। स्कूल भवनों का निर्माण कराकर शिक्षा के क्षेत्र में सुधार लाने का प्रयास किया गया है। बड़ी संख्या में सरकारी शिक्षकों की भी बहाली की जा रही है। इसके साथ ही नियोजित शिक्षकों को परीक्षा के माध्यम से सरकारी मान्यता प्रदान की जा रही है। मदरसों को भी सरकारी मान्यता प्रदान की गई और वहां पढ़ाने वाले शिक्षकों को सरकारी शिक्षक के अनुरूप वेतन दिया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2005 से पहले प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में एक माह में सिर्फ 39 मरीज इलाज कराने आते थे। हमलोगों ने सरकारी अस्पतालों में मुफ्त दवा एवं इलाज की सुविधा उपलब्ध कराई, जिसके कारण अब एक माह में औसतन 11 हजार से अधिक मरीज प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में इलाज कराने पहुंच रहे हैं। पहले बिहार में सिर्फ 6 सरकारी मेडिकल कॉलेज थे, अब उनकी संख्या बढ़कर 12 हो गई है। बिहार का सबसे पुराना अस्पताल पटना मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (पी०एम०सी०एच०) को 5400 बेड की क्षमता का बनाया जा रहा है। बाकी 5 पुराने मेडिकल कॉलेज एवं अस्पतालों का भी विस्तार कर 2500 बेड की क्षमता का अस्पताल बनाया जा रहा है। आई०जी०आई०एम०एस०, पटना का भी विस्तार कर उसे 3000 बेड की क्षमता का अस्पताल बनाया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमलोगों ने वर्ष 2015 से सात निश्चय योजना के माध्यम से हर घर तक नल का जल, हर घर में शौचालय का निर्माण, हर घर तक पक्की गली नाली निर्माण, हर टोले तक पक्की सड़क का निर्माण, हर घर तक बिजली का कनेक्शन जैसी मूलभूत सुविधाएं लोगों तक पहुंचा दी है। जो भी नई बसावटें बनी हैं, उनमें भी ये सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। खुले में शौच करने से लोगों को अनेक प्रकार की बीमारियां होती थीं, जिन परिवारों के घरों में शौचालय निर्माण के लिए जगह नहीं थी, उनके लिए सामुदायिक शौचालय का निर्माण कराया गया। वर्ष 2020 से सात निश्चय योजना-2 के तहत मुख्यमंत्री ग्रामीण सोलर स्ट्रीट लाइट योजना, टेलीमेडिसिन, बाल हृदय योजना, हर खेत तक सिंचाई का पानी पहुंचाने का काम तेजी से आगे बढ़ रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2006 से पंचायती राज संस्थाओं तथा वर्ष 2007 से नगर निकायों में महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण दिया गया। इसके बाद अब तक कुल 4 चुनाव संपन्न हो चुके हैं। बड़ी संख्या में महिलाएं चुनकर आई हैं। पहले बिहार में स्वयं सहायता समूह की संख्या काफी कम थी। जब हमलोगों की सरकार बिहार में बनी तो हमलोगों ने वर्ष 2006 में विश्व बैंक से कर्ज लेकर स्वयं सहायता समूह की संख्या को बढ़ाया। बिहार में अब स्वयं सहायता समूह की संख्या 10 लाख 61 हजार हो गई है जिनसे 1 करोड़ 35 लाख जीविका दीदियां जुड़ी हैं। हमलोगों ने विश्व बैंक से कर्ज लेकर स्वयं सहायता समूहों की संख्या बढ़ानी शुरू की। हमने ही स्वयं सहायता समूह का नाम जीविका दिया, जिससे प्रेरित होकर उस समय की केंद्र सरकार ने भी इसे अपनाया और इसका नाम आजीविका दिया। हमने जीविका से जुड़ी महिलाओं को जीविका दीदी नाम दिया। हमलोगों ने अब बिहार के शहरी क्षेत्रों में भी स्वयं सहायता समूह का गठन शुरू कराया है। अब तक शहरी इलाकों में 34 हजार स्वयं सहायता समूह का गठन हो चुका है, जिससे 3 लाख 60 हजार जीविका दीदियां जुड़ चुकी हैं। हमलोगों ने वर्ष 2013 से पुलिस की बहाली में महिलाओं को 35 प्रतिशत आरक्षण देने का फैसला लिया, जिसका नतीजा है कि बिहार पुलिस बल में महिलाओं की संख्या देश में सबसे अधिक है। बिहार पुलिस में जितनी महिलाएं हैं, देश के किसी भी दूसरे राज्य के पुलिस बल में महिलाओं की संख्या उतनी नहीं है। वर्ष 2016 से हमलोगों ने सभी सरकारी नौकरियों में महिलाओं को 35 प्रतिशत आरक्षण दिया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2005 से वर्ष 2020 के बीच में 8 लाख लोगों को सरकारी नौकरी दी गई। हमलोगों ने वर्ष 2020 में 10 लाख लोगों को सरकारी नौकरी देने का लक्ष्य निर्धारित किया था, जिसे बढ़ाकर 12 लाख किया गया है। अब तक 9 लाख से अधिक लोगों को सरकारी नौकरी दे दी गई है। इसके अलावा 10 लाख लोगों को रोजगार देने का लक्ष्य निर्धारित किया गया था। अब तक 24 लाख लोगों को रोजगार मुहैया कराया जा चुका है। वर्ष 2025 में निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप 12 लाख लोगों को सरकारी नौकरी तथा 34 लाख लोगों को रोजगार मुहैया करा दिया जाएगा। हमलोगों ने सभी वर्गों के उत्थान के लिए काम किया है। सभी पार्टियों के साथ बैठक कर बिहार में जाति आधारित गणना कराई गई, जिसमें 94 लाख गरीब परिवारों को चिह्नित किया गया है, जो हर जाति से जुड़े हैं। ऐसे गरीब परिवारों को प्रति परिवार 2 लाख रुपये की आर्थिक मदद दी जा रही है ताकि वे अपना जीविकोपार्जन कर सकें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नालंदा जिला में विकास के अनेक कार्य कराए गए हैं। यहां इंजीनियरिंग कॉलेज, राजकीय पॉलिटेक्निक संस्थान, महिला आई०टी०आई० और आई०टी०आई० का निर्माण कराया गया है। नालंदा खुला विश्वविद्यालय के भवन का निर्माण कराया गया। रहुई के पैठना में दंत चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल का निर्माण कराया गया। पावापुरी में मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल का निर्माण कराया गया। यहां जननायक कर्पूरी ठाकुर अत्यंत पिछड़ा वर्ग छात्रावास का निर्माण कराया गया है। अन्य पिछड़ा वर्ग कन्या आवासीय विद्यालय तथा 3 अनुसूचित जाति आवासीय विद्यालय का निर्माण कराया गया है।

यहां कई पथों और पुलों का निर्माण कराया गया है। बिहटा-सरमेरा राज्य उच्च पथ का निर्माण कराया गया। नालंदा-बेन-इस्लामपुर पथ का निर्माण कराया गया। दनियावां-एकंगरसराय-इस्लामपुर पथ का निर्माण कराया गया। बिहारशरीफ-हिलसा-एकंगरसराय-इस्लामपुर-राजगीर बाईपास का निर्माण कराया गया। राजगीर में भगवान बुद्ध से संबंधित बेनुवन का विकास किया गया। गुरुनानक देव जी से संबंधित शीतल कुंड का विकास किया गया। मखदुम कुंड का विकास किया गया। शांति स्तूप जाने के लिए सीढ़ी का चौड़ीकरण किया गया और नये रोप-वे का निर्माण किया गया। राजगीर में गर्म कुंड को भी विकसित किया गया है। यहां तीन साल पर मलमास मेला लगता है, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु आते हैं। पिछले वर्ष साढ़े तीन करोड़ श्रद्धालु आए थे। जरासंध स्मारक का निर्माण कराया गया। पंच पहाड़ी पर पौधारोपण किया गया है, जिससे हरियाली बढ़ी है। राजगीर में अंतर्राष्ट्रीय स्तर का पुलिस अकादमी बनाया गया है। खेल विश्वविद्यालय सह खेल अकादमी का निर्माण कराया गया है। राजगीर में घोड़ा कटोरा, नेचर सफारी, जू सफारी, स्काई ग्लास का निर्माण कराया गया है। पांडु सरोवर को विकसित किया गया है। नालंदा अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालय का निर्माण कराया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यहां 72 पंचायत सरकार भवन का निर्माण कराया जा चुका है और शेष 200 पंचायत सरकार भवन का निर्माण भी जून, 2025 तक पूरा करा लिया जाएगा। केंद्र सरकार है, राज्य सरकार है, उसी तरह हमने सम्मान देने के लिए सभी ग्राम पंचायतों में पंचायत सरकार भवन का निर्माण कराने का निर्णय लिया। पंचायत सरकार भवन के निर्माण से एक ही छत के नीचे ग्राम पंचायत की सभी समस्याओं का निराकरण हो सकेगा। हम सबकी इज्जत करते हैं, सबका सम्मान करते हैं। नालंदा जिले में हर घर बिजली पहुंचा दी गई है। यहां 7 विद्युत ग्रिड सब स्टेशन तथा 7 पावर सब स्टेशन का निर्माण कराया गया है। नालंदा में 30 डेडिकेटेड कृषि फीडर का निर्माण कराया गया है, जिससे 3108 बिजली कनेक्शन किसानों को उपलब्ध कराया गया है ताकि किसानों को कृषि कार्य में सहूलियत हो। नालंदा में 29 हजार 888 स्वयं सहायता समूह से 3 लाख 71 हजार जीविका दीदियां जुड़ी हुई हैं। जिले में 7 जीविका दीदी की रसोई संचालित है।

नालंदा जिले में लोगों की मांगों के संबंध में मुख्यमंत्री की महत्वपूर्ण घोषणायें

- पंचाने सिंचाई योजना का जीर्णोद्धार कर विकसित किया जायेगा।
- सरमेरा में समेकित कृषि प्रणाली हेतु कृषि अनुसंधान केन्द्र खोला जायेगा।
- हिलसा पूर्वी बाईपास पथ के लिए भू-अर्जन हो गया है अब शीघ्र काम शुरू किया जायेगा।
- बरगइनिया पर्इन का जीर्णोद्धार कार्य किया जायेगा।
- बिहारशरीफ के सोहसराय हॉल्ट के पास आर०ओ०बी०-सह-रोटरी का निर्माण किया जायेगा, इससे जाम की समस्या से मुक्ति मिलेगी।
- करायपरसुराय, हिलसा, एकंगरसराय एवं इस्लामपुर प्रखंडों में लोकार्इन नदी के तटबंध पर कटाव निरोधी कार्य किया जायेगा।
- मकनपुर से धमौली तक अधियारा नदी की गाद उड़ाही एवं नूरसराय और हरनौत प्रखंड में 8 स्थानों पर एंटी फ्लड स्लूइस गेट का निर्माण किया जायेगा।
- बेनार-सकसोहरा पथ का चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण किया जायेगा।
- बिहारशरीफ के एतबारी बाजार से उपरौरा मोड़ पथ का चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण किया जायेगा। साथ ही आर०ओ०बी०-सह-पहुँच पथ का निर्माण किया जायेगा।

- सरमेरा प्रखंड में धनावाडीह एवं गोपालबाद में जमींदारी बांध का जीर्णोद्धार किया जायेगा।
- नूरसराय संगत के पास हो रहे जलजमाव से निवारण हेतु काम कराया जायेगा।
- बाबा मखदूम साहब की मजार (बड़ी दरगाह) तक पहुँचने हेतु अलीनगर से बिहारशरीफ पूर्वी बाईपास तक सड़क चौड़ीकरण तथा सुदृढीकरण किया जायेगा।
- बिहारशरीफ में पंचाने नदी के कोसुक घाट को रिवर फ्रंट के रूप में विकसित किया जायेगा।
- बिहारशरीफ शहर में पुराने राँची रोड का चौड़ीकरण किया जायेगा।
- हसनपुर के पास राजगीर बाईपास होते हुये राजगीर खेल अकादमी मोड़ तक पथ का चौड़ीकरण किया जायेगा।
- ब्रह्मकुंड परिसर का समग्र विकास किया जायेगा।
- नालंदा जिले के 6 प्रखंडों क्रमशः अस्थावां, इस्लामपुर, चंडी, रहुई, हरनौत एवं गिरियक प्रखंडों में नये प्रखंड-सह-अंचल कार्यालय भवन का निर्माण कराया जायेगा।
- ईको-टूरिज्म के दृष्टिकोण से राजगीर वन क्षेत्र में अवस्थित ऐतिहासिक स्थलों का संरक्षण तथा जे०पी० उद्यान, वेणुवन, घोड़ा कटोरा आदि का और विकास कराया जायेगा। साथ ही डायनासोर पार्क का निर्माण कराया जायेगा, इससे पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इन सब कामों को करा दिया जाएगा। इसके अतिरिक्त नालंदा जिले में जो काम बचे हैं, उसे भी कराया जायेगा। बिहार के हर क्षेत्र में काम हो रहा है, आगे और तेजी से काम होगा। इसके लिए आप सबको बधाई एवं धन्यवाद देता हूँ। किसी भी पार्टी के जनप्रतिनिधि हों, उनके सुझाव का हमलोग सम्मान करते हैं। उनके इलाके की जो भी मांगें होंगी, उन सबको पूरा किया जाएगा। हमलोग किसी के साथ भेदभाव नहीं करते हैं। हम सबके हित में काम करते रहेंगे। हम सभी लोगों के हित में शुरू से काम करते रहे हैं। आप सभी का मैं पुनः अभिनंदन करता हूँ।

समीक्षा बैठक में नालंदा के जिलाधिकारी श्री शशांक शुभंकर ने हरित पौधा एवं प्रतीक चिह्न भेंटकर मुख्यमंत्री का अभिनंदन किया।

समीक्षा बैठक में जल संसाधन सह संसदीय कार्य मंत्री सह नालंदा जिला के प्रभारी मंत्री श्री विजय कुमार चौधरी, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री सह सहकारिता मंत्री डॉ० प्रेम कुमार, ग्रामीण विकास मंत्री श्री श्रवण कुमार, सांसद श्री कौशलेंद्र कुमार, विधायक श्री हरि नारायण सिंह, विधायक श्री जितेंद्र कुमार, विधायक डॉ० सुनील कुमार, विधायक श्री कृष्ण मुरारी शरण उर्फ प्रेम मुखिया, विधायक श्री कौशल किशोर, विधायक श्री राकेश कुमार रौशन, विधान पार्षद श्रीमती रीना कुमारी, विधान पार्षद श्री नीरज कुमार, नालंदा जिला परिषद् की अध्यक्ष श्रीमती तनुजा कुमारी, नगर निगम की महापौर श्रीमती अनीता देवी, जिला कार्यक्रम कार्यान्वयन समिति के उपाध्यक्ष मो० अरशद, जिला कार्यक्रम कार्यान्वयन समिति के उपाध्यक्ष श्री रविशंकर प्रसाद, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री दीपक कुमार, मुख्य सचिव श्री अमृत लाल मीणा, अपर पुलिस महानिदेशक, मुख्यालय श्री कुंदन कृष्णन, मुख्यमंत्री के सचिव श्री अनुपम कुमार, मुख्यमंत्री के सचिव श्री कुमार रवि, विभिन्न विभागों के अपर मुख्य सचिव/प्रधान सचिव/सचिव, पटना प्रमंडल के आयुक्त श्री मयंक बरबड़े, पटना प्रक्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक श्री राकेश राठी, नालंदा के जिलाधिकारी श्री शशांक शुभंकर, नालंदा के पुलिस अधीक्षक श्री भारत सोनी सहित अन्य वरीय अधिकारी उपस्थित थे।
